बर्ड फ्लू (एवियन इनफ्लुएंजा)
कृषि कुंभ (जुन, 2022), खण्ड 02 भाग 01, पृष्ठ संख्या 10–11

बर्ड फ्लू (एवियन इनफ्लुएंजा)

सतेंद्र कुमार[1], पीके उपाध्याय[2] और रामजी गुप्ता[3]
शोध छात्र[1], प्रोफेसर[2,3]
विभाग पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान
चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर 20802
E.mail : satendrakumar19951@gmail.com

बर्ड फ्लू एक विषाणु द्वारा होने वाली मुख्यतः पक्षियों की जानलेवा बीमारी है इसका वायरस आर्थो मिक्सो विरिडी फैमिली का है परंतु यह शूकर अशव को भी संक्रमित कर सकता है इसके विपरीत परिस्थितियों में स्पेसीज बैरियर को क्रास कर मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकता है

रोग का कारक

यह विषाणु द्वारा होने वाला रोग है यह पशु पक्षी व मनुष्य को संक्रमित करता है विषाणु ए ,बी एवं सी प्रकार का होता है इसमें टाइप ए पोल्ट्री को संक्रमित करता है वर्तमान में विषाणु एच एन प्रकृति का है।

होस्ट एवं प्रभावित स्पेसीज

प्राकृतिक होस्ट–– वाटर फाऊल (जल मुर्गी)

संचारण

वाटरफॉल	– बीट, मुंह के माध्यम से
पोल्ट्री	– बीट, मुंह के माध्यम से
मानव	– बायोएरोसॉल के माध्यम से

संक्रमण संघनता

वाटरफॉल	– अधिकतम मौतों में
पोल्ट्री	– श्वसन तंत्र व मौतों में
मानव	– श्वसन तंत्र

इनक्यूबेशन अवधि (पीरियड)

इनक्यूबेशन अवधि पक्षी में प्रवेश करने से कुछ घंटों से 3 दिन तक यह अवधि विषाणु की प्रकृति मात्रा प्रवेश मार्ग तथा पक्षी के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है

रोग का प्रसार

कुक्कुटो में :

- दूषित हवा द्वारा
- दूषित जल एवं खाद सामग्री से

मनुष्य में :

- दूषित हवा द्वारा
- संक्रमित कुक्कुटो के मल तथा मूत्र मुंह आंख एवं नाक के संपर्क में आने से,
- संक्रमित कुक्कुटो या कुक्कुट प्रक्षेत्र में प्रयोग में आने वाली सामग्री व उपकरणों के संपर्क में आने से,
- मुख्यतः इस कार्य से जुड़े मनुष्य का कुक्कुटो को छूना मारना ,पंख नोचना या कुक्कुटो के लिए खाना तैयार करना आदि से बीमारी फैल सकती है।

लक्षण

कुक्कुटो में :

तेज बुखार आना ,आंख और नाक से पानी आना कलंगी एवं पैरों का बैगनी होना गर्दन तथा आंख के निचले हिस्से में सूजन हरे रंग की बीट का आना अचानक बहुत अधिक संख्या में कुक्कुट मृत हो जाना

मनुष्य में :

सर्दी जुकाम व खांसी गले में खराश मांसपेशियों में दर्द एवं सांस लेने में परेशानी अंत में यकृत गुर्दा में फेफड़ों का कार्य करना बंद कर देना।

कुक्कुट उद्योगों से जुड़े लोगों के लिए प्रमुख सुझाव :

- पक्षी फार्म को पक्षी अभ्यारण जलाशय झील के आस पास ना खोलें क्योंकि इस रोग का प्रसार करने में जल मुर्गी की प्रमुख भूमिका होती है।
- पक्षी फार्म के आसपास सूकर पालन ना करें क्योंकि शूकर एवियन इनफ्लुएंजा विषाणु के द्वारा मिक्सिंग बेसल का कार्य करते हैं और इस वायरस की नई प्रजाति बनाने की क्षमता रखते हैं जो मनुष्य के लिए काफी घातक हो सकती है।
- निश्चित रूप से फार्म पर बिछावन बदलते रहे तथा समय–समय पर बिसंक्रमण की कार्रवाई करते रहे
- फार्म के आसपास सफाई रखें तथा कूड़ा कर कट व गंदगी ना इकट्ठा ना होने दे।
- मृत पक्षियों का निस्तारण गड्ढे में दबा कर किया जाना चाहिए।
- बीमारी की स्थिति में मुर्गों के सीधे संपर्क मैंने ना दस्ताने या किसी अन्य सुरक्षा माध्यम से सुरक्षा साधन का इस्तेमाल करें।

बीमारी फैलने की स्थिति में क्या करें

- निकटवर्ती पशु चिकित्सक को तुरंत सूचना दें
- पशु चिकित्सक को कुकड़ू कु मारने में पूर्ण सहयोग दें
- इस बीमारी में पशु चिकित्सक प्रभावित गांव या फार्म से 3 किलोमीटर की परिधि के अंदर आने वाले सभी कुक्कुट को मारते हैं तथा 3 से 10 किलोमीटर की परिधि तक टीकाकरण का प्रबधान है यह टीका भारत सरकार द्वारा फ्री में उपलब्ध कराया जाता है

बर्ड फ्लू के संबंधित कुछ जटिल समस्याएं

- इस बीमारी के विषाणु को बहुत अधिक संख्या में पनपता है तथा यह बीमारी के प्रसार के में सहायक है तथा बीमारी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले में सहायक होता है।
- इस बीमारी का विषाणु उत्परिवर्तन के माध्यम से अपनी संरचना में परिवर्तन करता रहता है अतः नई प्रजाति के विषाणु बनने की संभावना बनी रहती है जो मनुष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकती है।
- इस बीमारी का इनक्यूबेशन पीरियड अत्यधिक कम है इस कारण से भी इस बीमारी की रोकथाम कठिन करना है।
- यह बीमारी ऊपरी स्वसन तंत्र की बीमारी है जिस कारण से पूर्व में वैज्ञानिकों ने इस बीमारी का टीका बनाने में कोई रुचि नहीं दिखाई।

उपचार

1. बर्ड फ्लू से पीड़ित व्यक्ति को विषाणु रधी दवाओं का प्रयोग करना चाहिए
2. यह दवा लक्षण प्रकट होने के दौरान 2 दिन के अंदर देना चाहिए

रोकथाम

- अपने हाथों को अच्छी प्रकार से जीवाणु नाशक साबुन से साफ करना चाहिए तथा आंख नाक तथा मुंह को छूने से बचना चाहिए ।
- नींद पूरी लेनी चाहिए।
- खूब पानी पीना चाहिए।
- अपने शरीर के रोग प्रतिरोधक ता को विकसित करने के लिए हरी सब्जियां विटामिन का प्रयोग अपने ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए।
- किसान वा पशु चिकित्सकों संक्रमित वा को सोते समय मुंह पर मास वह आपके दस्तानों का प्रयोग करना चाहिए।